ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218
PP. No.- 83-86
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-17, No.- I, Issues-31, YEAR- Jan.-March-2024

आगरा पर्यटन में ताजमहल की भूमिकाः एक आर्थिक विश्लेषण

डॉ0 चन्द्रशेखर
प्राचार्य– एस. बी. एम. महाविद्यालय रूनकता, आगरा, सम्बद्ध– डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा (उ0प्र0), भारत

Received-21.01.2024, Revised-28.01.2024, Accepted-02.02.2024 E-mail: drcsrathore.agv@gmail.com

***सारांशः** पर्यटन को दुनिया भर में किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख प्रेरक शक्ति के रूप में देखा जाता है। आतिथ्य जैसे सम्बद्ध उद्योगों पर इसका गुणक प्रभाव पड़ता है। पर्यटन से होने वाले आय अर्जन का अन्य उद्योगों की ओर प्रसार न केवल आर्थिक स्थिति में सुधार लाता है, बल्कि स्थानीय आबादी के जीवन स्तर को भी उच्च बनाता है। पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक सशक्त माध्यम माना जाता है। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहाँ इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 6.23% और भारत के कुल रोजगार में 8.78% का योगदान है, जिसमें आगरा के ताजमहल की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन एक ऐसी यात्रा है जो मनोरंजन या फुरसत के क्षणों का आनन्द उठाने के उद्देश्यों से की जाती है।*

कुंजीभूत शब्द– अर्थव्यवस्था, प्रेरक शक्ति, आतिथ्य, अर्जन, आर्थिक स्थिति, गुणक प्रभाव, जीवन स्तर, मनोरंजन, वास्तुकार।

ताजमहल, ऐतिहासिक विवरण– ताजमहल एक बहुत ही खूबसूरत स्मारक है। इसे केवल पर्यटन स्थल के रूप में देखना सही नहीं होगा, बल्कि यह वो इमारत है, जो मुगल काल का प्रतिनिधित्व करती है। इतना ही नहीं ताजमहल पति–पत्नी के बीच अपार प्रेम का प्रतीक है। ताजमहल इतना सुन्दर है, कि इसे देखते ही लोगों को इससे प्यार हो जाता है। यही वजह है कि प्रति वर्ष लाखों लोग इस अद्भुत स्मारक को देखने के लिए आगरा आते हैं। जिस शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज के लिए ताजमहल बनवाया, वह उनकी तीसरी पत्नी थी। चौदहवें बच्चे के जन्म के बाद मुमताज की मृत्यु हो गई थी। बताते हैं कि अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद शाहजहाँ इतने टूट गये थे, कि कुछ ही दिनों में उनके बाल और दाढ़ी सफेद हो गई थी। बाद में उन्होने अपनी पत्नी मुमताज की स्मृति में ताजमहल का निर्माण कराया, जिसे आज दुनिया का अजूबा कहा जाता है। हम सब अब तक यही जानते है कि यहाँ मुमताज का मकबरा है, लेकिन सच तो यह है कि यहाँ पर शाहजहाँ का मकबरा भी बना हुआ है। हालांकि आज भी ताजमहल को मुमताज के मकबरें के रूप में ही जाना जाता है। उस समय ताज महल के निर्माण की लागत 3.2 करोड़ रुपये आंकी गई थी। ताजमहल को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसका निर्माण यूँ ही नहीं हुआ। इसके निर्माण के लिए राजमिस्त्री पत्थर काटने वाले, बढ़ई, चित्रकार, गुंबद बनाने वाले और अन्य कारीगरों को पूरे मुगल साम्राज्य, मध्य एशिया और ईरान से बुलाया गया था। इसके मुख्य वास्तुकार उस्ताद अहमद लाहौरी थे। ऐतिहासिक दस्तावेजों की माने तो ताजमहल को बनाने में 20000 कारीगर लगे थे।

ज्ञातव्य हो मुमताज ने मृत्यु से पूर्व अपने पति शाहजहाँ से चार वादे लिए थे। पहला वह ताजमहल का निर्माण करेंगे, दूसरा उनकी मृत्यु के बाद वे शादी करेंगे, तीसरा बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे और चौथा उनकी हर पुण्यतिथि पर मकबरे का दौरा करेंगे। हालांकि खराब स्वास्थ्य के कारण वह अपना आखिरी वादा नहीं निभा सके। इस तथ्य के बारे में आज तक कोई नही जानता कि मुमताज की मृत्यु आगरा में नहीं, बल्कि बुरहानपुर में हुई थी। इसलिए ताजमहल आगरा में नहीं, बल्कि बुरहानपुर में बनना चाहिए था। बताते है कि पहले मकबरे के स्थल के रूप में बुरहानपुर को ही चुना गया था, लेकिन स्मारक के निर्माण के लिए यह जगह संगमरमर की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं थी, इसलिए मुमताज के अवशेषो को आगरा लाया गया और यहीं ताजमहल का निर्माण कार्य शुरू हुआ। ताजमहल बनने के बाद शहजहाँ ने मजदूरों के हाथ काट दिये थे, ऐसा हमें बताया जाता है, लेकिन इतिहासकारों के अनुसार, यह कहानी पूरी तरह असत्य है। शाहजहाँ ने कभी मजदूरों के हाथ काटने का आदेश नहीं दिया था।

ताजमहल का निर्माण सन् 1632 से 1653 तक चला और इसे उस समय के अद्वितीय मुगल वास्तुकला का उदाहरण माना जाता है यह आगरा किला के समीप यमुना नदी के किनारे स्थित है। ताजमहल की सुन्दरता उसके विस्तृत मकबरे के साथ ही उसकी वास्तुकला, विशालता और सुन्दर नक्काशी में छिपी है, यह उच्च कला की एक अद्वितीय उपलब्धि है और संस्कृति, ऐतिहासिक और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इसकी आकृति, आदर्श तरीकें से प्रतिबिंबित विन्यास और ज्योतिर्मय चतुर्भुज संरचना इसे एक महान आर्किटेक्चरल श्रृंगार, के रूप में प्रमुख बनाती है। ताजमहल के निर्माण में 22 साल का समय लगा था। निर्माणकार्य 1632 ई. में शुरू हुआ और 1653 ई. में पूरा हुआ। यह भारत के प्रमुख धरोहर स्थलो में से एक है और विश्व की अद्भुतम आर्किटेक्चरल श्रृंगार के रूप में माना जाता है। आपको बता दें ताजमहल का निर्माण 1653 ई0 में पूरा हुआ था। इसी के साथ वर्ष 2023 में ताजमहल के निर्माण को 370 साल हो गए हैं। यह भारत के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है और इसकी एक महान आर्किटेक्चरल शैली, सुन्दरता और ऐतिहासिक महत्व के कारण विश्व भर में विख्यात है।

आर्थिक विश्लेषण– ताजमहल को यूँ ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कलाकृति नहीं कहा जाता। टिकिट विक्री और जमा राजस्व के आधार पर तैयार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (A.S.I.) की सूची में ताजमहल देश का सबसे अधिक लोकप्रिय स्मारक बना है, जिसे अधिकतम दर्शको द्वारा देखा जाता है। अधिकतम दर्शकों द्वारा देखे जाने में आगरा किला देश भर में पाँचवें स्थान पर है, हालांकि फतेहपुर सीकरी का भव्य स्मारक टॉप 10 में स्थान नहीं बना पाया। देश और दुनिया में आगरा की पहचान ताजमहल देश की स्मारकों में नंबर वन है। अपने अप्रतिम सौन्दर्य से दुनियाभर के पर्यटकों के दीवाना बनाने वाला स्मारक पर्यटकों के साथ–साथ राजस्व अर्जित करने के मामले में भी सबसे आगे हैं। वर्ष 2023 के आठ माह में ताजमहल देखने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 40 लाख और विदेशी पर्यटकों की संख्या 3 लाख के आँकड़ें को पार कर चुकी है। पिछले वर्ष 2022 में आए कुल विदेशी पर्यटकों के दो गुने पर्यटक वर्ष 2023

अग्रेरूपी लेखक / संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-17, No.- I, Issues-31, YEAR- Jan.-March-2024

जनवरी से अगस्त तक आ चुके हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (A.S.I.) की रिपोर्ट के अनुसार ताजमहल को देखने वाले पर्यटकों में वर्ष 2022 में 55.91 लाख भारतीय और 1.56 लाख विदेशी पर्यटक आये थे। ळ20 समिट से देश का प्रचार प्रसार होने के बाद अक्टूबर से पर्यटन सीजन शुरू होने पर यहाँ अच्छी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। वर्ष 2020 में लगे कोरोना के ग्रहण के बाद वर्ष 2023 में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक आए हैं।

ताजमहल देखने आए पर्यटकों के आकड़ें

तालिका –1

वर्ष	भारतीय	विदेशी	कुल
2019	4845084	815680	5660764
2020	1184317	207105	1391422
2021	2962324	19441	2981765
2022	5591045	156656	5747701
2023	4096547	315213	4411760

स्रोतः A.S.I. नोट– वर्ष 2023 के आकड़ें जनवरी से अगस्त तक के हैं।

उपर्युक्त तालिका–1 से स्पष्ट है कि वर्ष 2019 में 4845084 भारतीय पर्यटक, 815680 विदेशी पर्यटक व कुल 5660764 भारतीय व विदेशी पर्यटकों ने ताजमहल का दीदार किया। 2020 में ताजमहल को देखने वाले पर्यटकों में 1184317 भारतीय, 207105 विदेशी व कुल 1391422 पर्यटक थे। वर्ष 2019 के बाद वर्ष 2020 में पर्यटकों की संख्या में कमी कोरोना वायरस के चलते पाई गई।

वर्ष 2019 में 1.09 करोड़ पर्यटक आगरा आये थे, इनमें से विदेशी सैलानियों की संख्या 17 लाख थी वहीं वर्ष 2020 आगरा पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या केवल 27 लाख थी। विदेशी पर्यटकों की संख्या गिरकर 4.5 लाख पर पहुंच गई। कोरोना वायरस की मार झेलने वाले क्षेत्रों में पर्यटन भी शामिल रहा। आँकडें बताते है कि 2020 में उत्तर प्रदेश में पर्यटन 84 फीसदी तक गिर गया, इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल को भी उठाना पड़ा। हालांकि कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन और पाबन्दियो के चलते देश के सभी प्रमुख राज्यों में पर्यटन खासा प्रभावित हुआ। न्यूज 18 से जुड़े आँकडों के आधार पर उत्तर प्रदेश की रिपोर्ट बताती है कि 2020 में 8.7 करोड़ पर्यटक आये, इनमें 8.9 लाख विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। वर्ष 2019 में राज्य में 47 लाख विदेशी पर्यटकों सहित 54 करोड़ लोग पहुँचे थे।

कोरोना वायरस के कहर से भले ताजनगरी बच जाए, लेकिन पर्यटन उद्योग को उबरने में दो से तीन साल का समय लगा। आगरा का ताजमहल विश्व प्रसिद्ध है, जिसे देखने के लिए लाखों की संख्या में पर्यटक आगरा आते हैं। पर्यटन स्थल बन्द होने से अब तक लगभग तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान का आकलन किया गया। शहर के होटल एण्ड रेस्टोरेंट ऑनर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से पूरे शहर के पर्यटन को बचाने की माँग की थी। पूरे विश्व में ताजमहल की एक अलग ही मिसाल है, यहाँ की दीवारों पर जगह–जगह 'अतिथि देवो भव' लिखा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहाँ के लिए अतिथि भगवान है। हो भी क्यों नहीं यहाँ की आबादी का करीब एक चौथाई हिस्सा टूरिस्ट की कमाई से पेट पाल रहा है। ताजमहल की संगमरमरी खूबसूरती देखने के लिए 'मुहब्बत के दीवाने' इस शहर की ओर खिचे चले आते हैं, लेकिन कोरोना की वजह से ताजनगरी कहा जाने वाला यह आगरा शहर बेहाल था।

लॉकडाउन में यहॉ का टूरिस्ट कारोबार लॉक हो गया था। कोरोना काल में लोगो के मुँह से अब 'वाह ताज' की जगह 'आह ताज' निकल रहा था। टूरिस्ट कारोबार पूरी तरह चौपट हो चुका था, जो व्यक्ति एक दिन में दो से पाँच हजार रुपये प्रतिदिन कमाता था, उसे उस समय सौ रूपये के लिये इधर–उधर दौड़ लगानी पड़ रही थी। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों होटलों, रेस्टोरेंट, गाइड, ट्रेवल्स एजेंसियॉ, कार ड्राइवर आदि का लॉकडाउन में दो वक्त की रोटी कमाना भी मुश्किल हो गया था। इस संकट से पर्यटन करोबार को उबारने के लिये शहर के होटल एण्ड रेस्टोरेंट ऑनर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री जी से अपील की थी कि वह ताजमहल से जुड़ें उद्योगों की ओर ध्यान दें और उन्हे इस संकट की घड़ी से उबारें।

कोरोना महामारी का सीधा असर पर्यटन क्षेत्र पर पड़ा। कोरोना से पहले भारी संख्या में पर्यटक ताजमहल का दीदार करते थे, लेकिन महामारी की वजह से ताजमहल का दीदार करने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई। वर्ष 2019 की तुलना में 2020 ताजमहल का दीदार करने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी कमी देखी गई है। वर्ष 2020 में यह कमी वर्ष 2019 के मुकाबलें 76 प्रतिशत तक गिर गई थी।

वर्ष 2021 में 2962324 भारतीय व 19441 विदेशी कुल 2981765 पर्यटकों ने ताजमहल को निहारा, जिसमें भारतीय पर्यटकों में तो वर्ष 2020 की अपेक्षा कुछ वृद्धि हुई मगर विदेशी पर्यटकों की संख्या में पुनः कमी देखी गई जिसका सीधा प्रभाव पयर्टन से जुडें लोगों व कारोबार पर पड़ा। वर्ष 2022 में 5591045 भारतीय व 156656 विदेशी पर्यटक व कुल 5747701 पर्यटकों को ताजमहल अपनी ओर आकर्षित करने सफल रहा। वर्ष 2022 में भारतीय पर्यटकों में तो 2020 की अपेक्षा वृद्धि देखी गई, परन्तु विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी स्पष्ट दृष्टिगोचर रही। वर्ष 2023 जरूर ताजमहल देखने आये (जनवरी से अगस्त तक के आंकड़ों के आधार पर) 4096547

भारतीय, 315213 विदेशी व कुल 4411760 पर्यटक रहे, जो पर्यटन व पर्यटन से जुड़ें लोगों के लिए एक खुशखबरी लेकर आया।

देश के 10 शीर्ष स्मारक (वित्तीय वर्ष 2021–22)

तालिका–2

क्रमांक	स्मारक	पर्यटक	राजस्व
1	ताजमहल	33.33 लाख	25.61 करोड़
2	लाल किला दिल्ली	13.29 लाख	60.11 लाख
3	मामल्लपुरम चेन्नई	12.87 लाख	50.72 लाख
4	कुतुब मीनार	11.66 लाख	40.04 लाख
5	आगरा किला	10.41 लाख	39.30 लाख
6	गोलकुंडा किला हैदराबाद	9.48 लाख	24.57 लाख
7	सूर्य मंदिर कोणार्क	6.73 लाख	23.32 लाख
8	अगोंडा किला गोवा	6.57 लाख	22.01 लाख
9	चित्तौडगढ किला जोधपुर	5.90 लाख	17.48 लाख
10	शनिवारवाडा मुम्बई	5.16 लाख	16.25 लाख

स्रोत – ए.एस.आई– उपर्युक्त तालिका–2 में वित्तीय वर्ष 2021–22 में ताजमहल टॉप–10 पर्यटक स्थलों में नं. 1 पर पर्यटक व राजस्व अर्जन के मामले में रहा। यहाँ 33.33 लाख पर्यटकों से 25.61 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ। टॉप 10 पर्यटक व राजस्व के मामले में आगरा किला पाँचवा स्थान बनाने में सफल रहा।

ताजमहल को यूं ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कलाकृति नही कहा जाता। टिकिट बिक्री व राजस्व के आधार पर तैयार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई) की सूची में ताजमहल देश का नं० 1 लोकप्रिय स्मारक बना है, जिसे अधिकतम दर्शकों द्वारा देखा जाता है, आगरा किला पाँचवें स्थान पर है, हालांकि फतेहपुर सीकरी का भव्य स्मारक टॉप –10 की सूची में स्थान नहीं बना पाया। एएसआई के देश भर के 3695 राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों और स्थलों में टिकिट विक्री के और जमा होने वाले राजस्व के आधार पर यह सूची तैयार की है। इसमें वित्तीय वर्ष 2021–22 में पर्यटकों की संख्या व टिकट बिक्री से प्राप्त राजस्व के आकड़ें एएसआई ने स्मारक वार दिये हैं। वित्तीय वर्ष 2018–19 में 77.90 करोड़, 2019–20 में 97.11 करोड़, 2020–21 में 9.53 करोड़ और 2021–22 में 25.61 करोड़ रूपये की आय एएसआई की ताजमहल से हुई।

वर्षवार ताजमहल देखने आये पर्यटकों की सख्या

तालिका–3

वर्ष	भारतीय	विदेशी	कुल
2018	5679832	895026	6574858
2019	4845084	839090	5684174
2020	838471	204523	1042994
2021	256283	392	256674
2022	2021313	119897	2141210
कुल	13640983	2058928	15699911

स्रोतः एएसआई पर्यटन आकड़े 2023

वर्षवार ताजमहल से प्राप्त राजस्व

तालिका–4

वर्ष	ताजमहल	मुख्य मकबरा
2018	67.78 करोड	71.73 लाख
2019	1.07 अरब	12.09 करोड
2020	23.62 करोड	2.10 करोड
2021	5.11 करोड	4.03 करोड़
2022	29.16 करोड	13.14 करोड
कुल	2.30 अरब	32.10 करोड

स्रोत– एएसआई पर्यटन आकड़े 2023 नोट– 5 वर्ष के ऑफलाइन टिकट विक्री के आकड़ें

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-17, No.- I, Issues-31, YEAR- Jan.-March-2024

उपर्युक्त तालिका–4 में वर्षवार ताजमहल से प्राप्त राजस्व आकड़ों से स्पष्ट है कि वर्ष 2018 से 2022 तक एएसआई को ऑफलाइन टिकट विक्री से 2.62 अरब रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। 2.30 अरब रूपये ताजमहल और 32.10 करोड़ रुपये मुख्य मकबरे के टिकट से मिले। वर्ष 2018 में ताजमहल से प्राप्त राजस्व 67.78 करोड़ रूपये व मुख्य मकबरें से 71.73 लाख रूपये, वर्ष 2019 में ताजमहल से 1.07 अरब रुपये व मुख्य मकबरें से 12.09 करोड़ रुपये, वर्ष 2020 में ताजमहल से 23.62 करोड़ रूपये व मुख्य मकबरें से 2.10 करोड़ रुपये, वर्ष 2021 में ताजमहल से 5.11 करोड़ रुपये व मुख्य मकबरें से 4.03 करोड़ रुपये, वर्ष 2022 में ताजमहल सें 29.16 करोड़ रुपये व मुख्य मुख्य मकबरें से 13.14 करोड़ रुपये मिला ।

निष्कर्ष– ताजमहल एएसआई के सभी स्मारकों में सबसे अधिक लोकप्रिय है। कोरोना से पूर्व इससे 97 करोड़ रुपये से अधिक आय प्रति वर्ष एएसआई को हो रही थी, लेकिन यहाँ आने वाले पर्यटकों के लिए पूर्वी व पश्चिमी गेट पर पार्किंग की सुविधा संतोषजक नहीं है। ताजमहल देखने टिकट खरीदने और डोर फ्रेम मेटर डिटेक्टर से प्रवेश के दौरान सुरक्षा जाँच का अनुभव खराब रहता है। ताजमहल परिधि से 500 मीटर के यलो जोन में स्तरीय रखरखाव, सफाई व हरियाली का अभाव है। सप्ताहंत, पर्वों व अवकाश के दिनों में ताजमहल देखने का अनुभव सबसे अप्रिय होता है। एएसआई की सोच सिर्फ स्मारकों तक सीमित न होकर पर्यटकों के पूरे अनुभव से जुड़ी होनी चाहिए। साथ ही नगर निगम, आगरा विकास प्राधिकरण, उद्यान विभाग व पर्यटन विभाग को भी इस दिशा में सोचना चाहिए।

कोरोना महामारी की वजह से 2020 और 2021 में पर्यटन उद्योग को काफी नुकसान हुआ था, लेकिन 2022 में इस क्षेत्र में एक बार फिर से तेजी देखी गई। भारतीय पर्यटकों के साथ–साथ विदेशी पर्यटकों में भी काफी इजाफा हुआ है। वैश्विक मानचित्र में ताजमहल के साथ भारत के पर्यटन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। ताजमहल में देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए व्यापक आकर्षण मौजूद है। कोरोना महामारी के दौरान दो साल में जिस उद्योग पर सबसे ज्यादा असर पड़ा था, पर्यटन उनमें सबसे प्रमुख था, लेकिन अब एक बार फिर पर्यटन उद्याोग फलने–फूलने लगा है, परन्तु आगरा के पयर्टन क्षेत्र से सम्बद्ध कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, जैसे : अवसंरचनात्मक कमी, असंवहनीयता, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण। अभी जब भारत ने G–20 की अध्यक्षता में 2023 में शिखर सम्मेलन पूर्ण किया। ऐसे समय में देश को एक सुरक्षित–पर्यटन अनुकूल गंतव्य के रूप में स्थापित करना इस बात पर निर्भर करता है कि सरकार किस प्रकार विभिन्न उद्योगों के सहयोग से कार्य कर सकती है और आगुन्तक गणमान्य व्यक्तियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान कर सकती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, डॉ. एस के, एवं आर.पी. सिंह, पर्यटन भूगोल, नेहा पब्लिकेशन, बरेली।
2. सेतिया, सुभाष, भारतीय पर्यटन के नये आयाम, योजना, सितंबर 2007 पृष्ठ – 34.
3. भारतीय पर्यटन आँकड़े – 2022 व 2023, पर्यटन मंत्रालय।
4. राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन– घटनाचक्र प्रयागराज – 2022 2023.
5. दैनिक जागरण दैनिक समाचार पत्र 10 मई 2023.
6. दैनिक जागरण दैनिक समाचार पत्र 27 सितंबर 2023.
7. आगरा मण्डल में पर्यटन के स्थानिक आयाम एक भौगोलिक विश्लेषण– थीसिस चन्द्रशेखर।
8. योजना – समय–समय पर प्रकाशित पर्यटन सम्बन्धी लेख।
9. कुरुक्षेत्र – समय–समय पर प्रकाशित पर्यटन सम्बन्धी लेख।
10. दृष्टि भारत के विविध पर्यटन पेशकशों का अनुभव 7 जनवरी 2023 लेख।

*****